B.M.A College Baheri Darbhanga (L.N.M.U)
BA(Hons) Part-I पेपर-I
Dr Manoj Kumar Sah
Deptt of Pol-Sci

आधुनिक राज्यों की उत्पत्ति

राज्य एक विकासशील संस्था है। यह न तो केवल शक्ति का परिणाम है न दैवी देन है और न किसी समझौते का फल है, बल्कि यह शताब्दियों के क्रमिक विकास का परिणाम है। बर्गेस के शब्दों में राज्य अपूर्ण और अव्यवस्थित रूप से आरम्भ होकर धीरे धीरे विकसित होता हुआ मानव जाति के पूर्ण तथा विश्वव्यापी संगठन का रूप ले रहा है। तात्पर्य यह कि राज्य की शुरुआत मानव सभ्यता के प्रारम्भिक दिनों विकृत रूप में हुई। सभ्यता के विकास के साथ इसका रूप भी बदलता गया आधुनिक राष्ट्रीय राज्य को आदिकाल से लेकर अपने वर्तमान रूप में अनेक अवस्था और रूपों से गुजरना पड़ा। यह कहना कठिन है कि राज्य की यह अवस्था और रूप कौन-कौन से थे।

इस विषय पर राजनीति-शास्त्र के विद्वानों में काफी मतभेद है। फिर भी संसार के सभी राज्यों के विकास के आधार पर कुछ अवस्थाएँ में निम्नलिखित है जो भी इस प्रकार से है।

(1) कबायली राज्य।
(2) प्राच्य साम्राज्य।
(3) यूनानी नगर राज्य।
(4) वैदिक काल के गणराज्य।
(5) रोम का साम्राज्य।
(6) सामन्ती राज्य।
(7) आधुनिक राष्ट्रीय राज्य।
(8) विश्व-संघ

Scanned with CamScanner